कक्षा - 6

हिन्दी व्याकरण

सर्वनाम

परिभाषा — संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं।
जैसे — मैं, तुम, वह, मेरा, उसका, आपका आदि।

✡ सर्वनाम के भेद —

सर्वनाम के छः भेद होते हैं —

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम
(2) निश्चयवाचक "
(3) अनिश्चयवाचक "
(4) सम्बन्ध वाचक "
(5) प्रश्नवाचक "
(6) निजवाचक "

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम —

जो सर्वनाम शब्द पुरुष और स्त्री के बदले में आते हैं, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।
जैसे — मैं, मेरा, मुझे, तुम, तुम्हारा, तुझे, वे, उनका, उन्हें... आदि।

✡ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं —

(क) प्रथम (उत्तम) पुरुष
(ख) मध्यम पुरुष
(ग) अन्य पुरुष

(क) प्रथम पुरुष — बोलने वाले को प्रथम पुरुष कहते है।
जैसे — मैं, मेरा, हम, हमारा, मुझको, हमको -- आदि।

(ख) मध्यम पुरुष — सुनने वाले को मध्यम पुरुष कहते है।
जैसे — तुम, तू, तेरा, तुझको, तुझे, तुम्हें, आपको, --आदि।

(ग) अन्य पुरुष — जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे अन्य पुरुष कहते है।
जैसे — वह, वे, उसे, उन्हें ... आदि।

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम — जिस सर्वनाम शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु के निश्चित होने का बोध होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।
जैसे — यह, ये, वह, वे

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम — जिस सर्वनाम शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु के निश्चित नहीं होने का बोध होता है, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।
जैसे — कोई, कुछ

(4) संबंधवाचक सर्वनाम — जो सर्वनाम वाक्य के दूसरे सर्वनामों के साथ संबंध प्रकट करता है, उसे संबंध-वाचक सर्वनाम कहते है।
जैसे — जैसा - वैसा, जिसकी - उसकी, जो - सो -- आदि।
जैसा करोगे, वैसा भरोगे।
जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

(5.) प्रश्नवाचक सर्वनाम — जिस सर्वनाम से प्रश्न का बोध होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
जैसे — कौन, किसे, किसने, क्या, कब ... आदि।

दीवार के ऊपर **कौन** बैठा है?
तुम विद्यालय **कब** जाओगे?
पुस्तक **किससे** मँगाऊँ?

(6.) निजवाचक सर्वनाम — जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग स्वयं के अर्थों में (अपने लिए) होता है, तो उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।
जैसे — स्वयं, आप, खुद, अपने-आप, स्वतः

अब तुम स्वयं पढ़ो।
हम खुद ही इधर आ गए।
वह स्वतः समझ गया।